2.- Hindi

# स्नातकोत्तर हिन्दी अध्ययन एवं अनुसंधान विभाग, गुलबर्गा विश्वविद्यालय,कलबुरगी

Department of PG Studies & Research in Hindi, Gulbarga University, Kalaburagi

## Syllabus For Entrance Examination (PET) for Admission to M.Phil And Ph.D Programme in the subject Hindi, GUK. 2016 & onwards (Approved By BOS(PG/Hind)-2016)

## I हिन्दी साहित्य का इतिहास: भाग -1 (आदिकाल एवं मध्यकाल)

1 हिन्दी साहित्य लेखन परंपरा

- इतिहास- दर्शन और साहित्येतिहास ।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा , आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
- हिन्दी साहित्य का इतिहास : कालविभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण ।

2

- आदिकाल : पृष्ठभूमि , सिद्ध और नाथ साहित्य, रासोकाव्य , जैन साहित्य
- आदिकाल: ऐतिहासिक परिदृश्य , साहित्यिक प्रवृतियाँ, काव्य धाराएँ , गद्य साहित्य
- प्रतिनिधि रचनाकार : चंदबरदाई, नरपतिनाल्ह, अमीर खुसरो, विद्यापति ।

3

- पूर्वमध्यकाल (भक्तिकाल ):ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन,विभिन्न काव्यधाराएँ तथा उनका वैशिष्ट-
- प्रमुख भक्तिधाराएँ : संत साहित्य, सूफी साहित्य, कृष्ण काव्य, राम भक्ति साहित्य
- प्रमुख कवि अध्ययन: कबीर, जायसी, सूर ,तुलसी, मीराबाई, रसखान , वृन्द

4

- उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल ): ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, दरबारी साहित्य एवं लक्षण ग्रंथ
- विभिन्न धाराएँ : रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त
- प्रतिनिधि रचनाकार : केशवदास , मतिराम, भूषण , बिहारी, घनानंद



REGISTRAR
GULBARGA UNIVERSITY
KALABURAGI - KARNATAKA

## II हिन्दी साहित्य का इतिहास: भाग -2 (आधुनिक काल)

1 आधुनिक काल : सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि , राजक्रांति एवं पुनर्जागरण

2 भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ

3 द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ

4 छायावादी युग: अग्रिम इतिहास , प्रमुख कवि , रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ

5 उत्तरछायावादी युग: प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ
( प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता )

6 हिन्दी गद्य : उद्भव एवं विकास , गद्य की प्रमुख विधाओ का विकास
( कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, आलोचना, आत्मकथा, संस्मरण ,जीवनी )

7 दक्खिनी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त परिचय

## III भारतीय साहित्य शास्त्र

1 भारतीय साहित्य शास्त्र का विकास

2 साहित्य की परिभाषा , लक्षण , तत्व, साहित्य हेतु प्रयोजन तथा साहित्य के प्रकार

3 शब्द शक्ति

4 साहित्य की आत्मा - विभिन्न संप्रदाय
-रस-सिद्धांत: रस का स्वरूप,रस-निष्पति,रस के अंग,साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा
-अलंकार सिद्धांत: मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण
-रीति-सिद्धांत: रीति की अवधारणा,काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ
-वक्रोक्ति -सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद
-ध्वनि-सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि-सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत-व्यंग्य, चित्र-काव्य
-औचित्य- सिद्धांत: प्रमुख स्थापनाएँ , औचित्य के भेद



REGISTRAR
GULBARGA UNIVERSITY
KALABURAGI - KARNATAKA

## IV पाश्चात्य साहित्य शास्त्र

1 पाश्चात्य साहित्य शास्त्र का विकास
2 प्लेटो: साहित्य -सिद्धांत
3 अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन
4 लौंजाइनस: उदात्त की अवधारणा
5 ड्राइडन के काव्य सिद्धांत
6 वर्डस्वर्थ : काव्य -भाषा का सिद्धांत
7 कॉलरिज: कल्पना-सिद्धांत, और ललित-कल्पना
8 मैथ्यू आर्नल्ड:आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
9 टी.एस.इलियट: परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता सिद्धांत
10 आई ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ , संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना
11 सिद्धांत और वाद: अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद , अस्तित्ववाद
12 आधुनिक समीक्षा की प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, विखंडनावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद

## V प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

1 पृथ्वीराज रासो: चंदबरदाई सं: हजारीप्रसाद द्विवेदी
2 कबीर वाणी: कबीरदास सं: डॉ श्यामसुंदरदास
3 पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी सं: आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4 भ्रमरगीत सार : सूरदास सं आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5 रामचरित मानस : गोस्वामी तुलसीदास: गीता प्रेस गोरखपुर
6 बिहारी रत्नाकर: कवि बिहारी सं: जगन्नाथदास रत्नाकर
7 अन्य प्राचीन एवं मध्यकालीन कवि और उनका काव्य : सरहपा, गोरखनाथ, मुनि जिनविजय, नरपतिनाल्ह, विद्यापति, अमीर खुसरो, मीराबाई, रहीम, वृन्द, रसखान, घनानंद, आलम, आचार्य केशवदास , चिंतामणि, मतिराम, भूषण

## VI हिन्दी आधुनिक काव्य

1 मैथिलीशरण गुप्त : साकेत
2 श्री जयशंकर प्रसाद: कामायनी
3 सुमित्रानंदन पंत: नौका विहार,एक तारा,हिमाद्रि, संध्या के बाद मौन निमंत्रण, अलमोडे का वसंत.



REGISTRAR
GULBARGA UNIVERSITY
KALABURAGI - KARNATAKA

4 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राम की शक्तिपूजा

5 महादेवी वर्मा : यामा

6 रामधारी सिंह दिनकर: उर्वशी .

7 स.ही.वात्स्यायन अज्ञेय: नदी के द्वीप , असाध्य वीणा, बना दे चितेरे .

8 नागार्जुन: मंत्र, प्रेत का बयान, कालिदास से .

9 प्रतिनिधि कवि एवं शिल्पगत वैशिष्ट : श्रीधर पाठक, मैथिलिशरण गुप्त,जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, रामधारीसिंह दिनकर, सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय, हरिवंशराय बच्चन, नागार्जुन, धूमिल , कात्यायनी , अनामिका , ओमप्रकाश वाल्मीकि .

## VII हिन्दी आधुनिक गद्य

1 उपन्यास : गोदान,निर्मला ,बाणभट्ट की आत्मकथा ,सुनीता, झूठा सच , मैला आँचल, कब तक पुकारूँ, जिंदगीनामा, काशी का अस्सी . झूठन, इदन्नमम .

2 आधुनिक कहानियाँ

3 नाटक : भारत दुर्दशा, अजात शत्रु, आषाढ का एक दिन, अंधा युग , कोमल गांधार, कोणार्क, एक कंठ विषपायी, कोर्ट मार्शल .

4 चिंतामणि : भाग-1 2,3 आचार्य रामचंद्र शुक्ल

5 आवारा मसीहा, मुड-मुडके देखता हूँ .

6 प्रतिनिधि गद्यकार : वस्तु एवं शिल्पगत वैशिष्ट - लाला श्रीनिवासदास, राहुल सांकृत्यायन, प्रेमचंद, इलाचंद्र जोशी, चतुरसेन शास्त्री, हजारीप्रसाद द्विवेदी, जैनेन्द्र, धर्मवीर भारती, फणीश्वरनाथ रेणु, भीष्म साहनी ,निर्मल वर्मा, श्रीलाल शुक्ल, सुरेन्द्र वर्मा, कमलेश्वर, राही मासूम रजा, भगवतीचरण वर्मा, गिरिराज किशोर, राजेन्द्र यादव, रामदरश मिश्र, कृष्णा सोबती, मन्नू भंडारी, मैत्रेयी पुष्पा , रत्नकुमार सांभरिया .

## VIII हिन्दी भाषा

1 हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

-प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ- वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ

-मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, प्राकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ ।

-आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण



REGISTRAR
GULBARGA UNIVERSITY
KALABURAGI - KARNATAKA

2 हिन्दी का भौगालिक विस्तार: हिन्दी की उपभाषाएँ , पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी , राजस्थानी, बिहारी तथा पहाडी और उनकी बोलियाँ , ब्रज और अवधी की विशेषताएँ ।

3 हिन्दी का भाषिक स्वरूप:

-हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था- खंड, खंडेतर

-हिन्दी शब्द रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, समास

-रूपरचना- लिंग, वचन और कारक के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।

-हिन्दी वाक्य रचना: पदक्रम और अन्विति।

4 हिन्दी के विविध रूप: संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा,राजभाषा के रूप में हिन्दी माध्यम-भाषा, संचार भाषा , हिन्दी की संवैधानिक स्थिति ।

5 हिन्दी में कंप्यूटर सुविधाएँ : आंकडा संसाधन और शब्द- संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिन्दी भाषा शिक्षण ।

6 देवनागरी लिपि: विशेषताएँ और मानकीकरण ।

## IX भाषा विज्ञान

1 भाषा और भाषा विज्ञान

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण , भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार

भाषा संरचना और भाषिक प्रकार्य

भाषा विज्ञान : स्वरूप एवं व्याप्ति, अध्ययन की दिशाएँ: वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक

2 स्वनप्रक्रिया: स्वनविज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ

वाग्वयव और उनके कार्य , स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण

स्वनगुण , स्वनिक परिवर्तन ।

स्वनिम विज्ञान का स्वरूप,स्वनिम की अवधारणा,स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण

3 व्याकरण : रूपप्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ, रूपिम की अवधारणा और भेद:

मुक्त-आबद्ध,अर्थदर्शी और संबंधदर्शी, संबंधदर्शी रूपिम के भेद और प्रकार्य ।

वाक्य की अवधारणा, अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद, वाक्य के भेद

वाक्य- विश्लेषण , निकटस्थ-अवयव विश्लेषण , गहन संरचना और बाह्- संरचना



REGISTRAR
GULBARGA UNIVERSITY
KALABURAGI - KARNATAKA

4 अर्थविज्ञान: अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन ।

5 साहित्य और भाषा-विज्ञान: साहित्य के अध्ययन में भाषा-विज्ञान के अंगों की उपयोगिता

## X हिन्दी साहित्य : वैचारिक पृष्ठभूमि

- विचारधारा और साहित्य
- मध्ययुगीन बोध का स्वरूप, मध्ययुगीन बोध एवं आधुनिकबोध :साम्य -वैषम्य
- आधुनिकता बोध और औद्योगिक संस्कृति
- राष्ट्रीयता और अन्तरराष्ट्रीयता
- पुनर्जागरण, पुररूत्थान और हिन्दी लोक-जागरण
- हिन्दी साहित्य में संबद्ध विशिष्ट मतवाद

  अध्यात्मवाद, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, स्त्रीवाद, दलितवाद .
- परम्परा और आधुनिकता
- राष्ट्रीय स्वातंत्र्य आंदोलन
- आंचलिकता और महानगर बोध
- साहित्य का अंतर्विधापरक अभ्यास : साहित्य का समाजशास्त्र, इतिहास-दर्शन, मनोवैज्ञानिक अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, भाषा वैज्ञानिक अध्ययन, साहित्य का वैज्ञानिक बोध

–हिन्दी अनुवाद साहित्य : रूवरूप विधाएँ एवं सर्वेक्षण , भाषिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

- प्रमुख समीक्षक: रामचंद्रशुक्ल, हजारीप्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, नंददुलारे वाजपेयी,मुक्तिबोध, नामवरसिंह, राजेन्द्र यादव, ओमप्रकाश वाल्मीकि, प्रभा खेतान.

Prof.Parimala.Ambekar,
Chairperson (BOS/UG/PG)
Dept of Hindi,
Gulbarga University,
Kalaburagi.

Chairperson
Dept. of PG Studies & Research in Hindi
Gulbarga University, Kalburgi - 6
Karnataka.

Email: dept_hindi@gug.ac.in , depthindi22@gmail.com



REGISTRAR
GULBARGA UNIVERSITY
KALABURAGI - KARNATAKA